



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

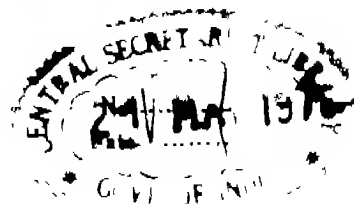
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 93] नई दिल्ली, शनिवार, मई 15, 1976/वैशाख 25, 1898

No. 93] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 15, 1976/VAISAKHA 25, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 15th May 1976

SUBJECT.—*Import of garment making machinery under the import policy for Registered Exporters for the period April 1976—March, 1977.*

No. 38-ITC(PN)/76.—Attention is invited to the provisions made in Product Groups 'O' & 'P' in the import policy for Registered Exporters for April 1976—March 1977 (Red Book—Volume II), pertaining to the import of machinery for the manufacture of garments.

2. A list of machinery required by garment industry for the manufacture of readymade garments including made-up articles, which has been cleared from indigenous angle upto 31st March 1977 appears in Annexure XIIV of the Red Book (Volume II) for April 1976—March, 1977. These machines are allowed against REP entitlements on the recommendation of the Textile Commissioner in each case.

3. As a measure of procedural simplification, it has been decided that it will not be necessary for the individual manufacturers to apply to the licensing authority for the import of garment making machinery against REP entitlements or to obtain a recommendation from the Textile Commissioner for such import. According to the revised procedure, while issuing REP licence against the export of garments in the name of a manufacturer-exporter or in the name of a manufacturer—nominated on the basis of his being a manufacturer of garments, the licensing authority will automatically endorse the licence to the effect that the licence will be valid for the import of machinery listed in Annexure XLIV of Import Trade Control Policy (Red Book—Volume II) for 1976-77. On the basis of such endorsement, the licence-holder will be able to utilise the value of the licence for the import of permissible garment making machinery without having to obtain any further endorsement from the licensing authority or any recommendation from the sponsoring authority.

4. REP licences already issued by the licensing authorities which do not bear the endorsement referred to in para 3 above can also be presented by the licence-holders to the licensing authority concerned for similar endorsement.

5. Attention is also invited to the provisions made in para 54, Part 'C' of Section I of the Red Book (Volume II) for 1976-77 which, *inter-alia*, provide that export houses holding Export House Certificate may be allowed to import garment making machinery against their REP entitlements including the entitlements acquired by them by transfer, provided such machinery is not available from indigenous sources. As provided in the said paragraph, the export houses have to obtain suitable endorsement from the licensing authority concerned for the import of such machinery, is to be disposed of by export houses only to actual users holding Release Orders for the same issued by the licensing authority. In order to simplify the procedure, the position in this regard has been reviewed. It has been decided that export houses who import garment making machinery under these provisions will be authorised to dispose of the imported machinery to actual users holding valid registration certificates to show that they are manufacturers of garments and are duly registered as such with the State Director of Industries/sponsoring authority. Actual users willing to procure such machinery from export houses will not, therefore, be required to approach the licensing authority for Release Order. They can approach the Export Houses direct. The Actual Users will have to give a written declaration to the Export House, from which garment making machinery is proposed to be purchased, giving the particulars of their registration as a garment making unit with the concerned authorities and affirming that the said registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. The export houses will be required to report such sales of machinery to actual users to the licensing authority and the Chief Controller of Imports & Exports in the same manner in which they are reporting sales of imported raw materials and components on a quarterly basis in the prescribed form in terms of para 44 in Part 'C' read with para 22 in Part 'B' of Section I of the Red Book (Volume II) for 1976-77.

6. Permission to actual users to import garment making machinery or to obtain such machinery from export houses under the provisions of this Public Notice is without prejudice to all the requirements of other regulations that may be in force affecting creation or expansion of installed capacity.

P. K. KAUL,

Chief Controller of Imports & Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

आयात वादादर नियंत्रण

नई दिल्ली, 15 मई, 1976

विषय.—अप्रैल, 1976—मार्च, 1977 अवधि के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के पोशाक बनाने की मशीनरी का आयात

सं० 38—आई० टी० सी० (पी एन)/76.—अप्रैल, 1976—मार्च, 1977 के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति (रेडबुक वा० 2) में पोशाकों के विनिर्माणकर्ताओं के लिए मशीनरी के आयात से सम्बन्धित उत्पाद ग्रुप 'ओ' और 'पी' में दी गई शर्तों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

2. निम्न वस्तुओं सहित तैयार पोशाकों के विनिर्माण के लिए पोशाक उद्योग द्वारा अपेक्षित मशीनरी जिसकी 31 मार्च, 1977 तक देसी दृष्टिकोण से निकासी कर दी गई है, की एक सूची अर्पित, 1976—मार्च, 1977 की रेड बुक (वा० 2) के अनुबन्ध 44 में प्रदर्शित है। इस मशीनों की अनुमति प्रत्येक मामले में वस्तु आयुक्त की सिफारिश पर आर ई पी हकदारी के प्रति दी जाती है।

3. क्रियाविधि को सरल करने के उपाय के रूप में यह निश्चय किया गया है कि आर ई पी हकदारी के प्रति पोशाक बनाने वाली मशीनरी के आयात के लिए लाइसेंस प्राधिकारी से आवेदन करना या ऐसे आयात के लिए वस्तु आयुक्त की सिफारिश प्राप्त करना विनिर्माताओं के लिए अलग अलग आवश्यक नहीं होगा। परिशोधित क्रियाविधि के अनुसार विनिर्माता-निर्यातक के नाम में या पोशाकों का विनिर्माता होने के आधार पर नामित किए गए विनिर्माता के नाम में पोशाकों के निर्यात के प्रति आर ई पी लाइसेंस जारी करते समय लाइसेंस प्राधिकारी लाइसेंस पर इस सम्बन्ध में स्वतः पृष्ठांकन करेगा कि लाइसेंस 1976—77 की आयात व्यापार नियन्त्रण नीति (रेड बुक वा० 2), के अनुबन्ध 44 में सूचीबद्ध मशीनरी के आयात के लिए वैध होगा। ऐसे पृष्ठांकन के आधार पर, लाइसेंसधारी, लाइसेंस प्राधिकारी से कोई और पृष्ठांकन प्राप्त किए बिना या प्रायोजना प्राधिकारी से कोई सिफारिश प्राप्त किए बिना ही अनुबन्ध पोशाक बनाने वाली मशीनरी के आयात के लिए लाइसेंस के मूल्य का उपयोग करने का पात्र होगा।

4. लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पहले ही जारी किए गए वे आर ई पी लाइसेंस जिन पर उपर्युक्त पैरा 3 में उल्लिखित पृष्ठांकन नहीं किए गए हैं वे भी लाइसेंसधारी द्वारा सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को ऐसे ही पृष्ठांकन के लिए प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

5. 1976—77 की रेड बुक (वा० 2) के खण्ड 1 के भाग "ग", पैरा 54 में दी गई शर्तों की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया जाता है जो अन्य बातों के साथ-साथ यह व्यवस्था करती हैं कि निर्यात सदन-प्रमाणपत्र के धारक निर्यात सदनों को उनकी आर ई पी हकदारी, जिसमें उनके द्वारा हस्तान्तरण द्वारा प्राप्त की गई हकदारी भी शामिल है, के प्रति पोशाक बनाने वाली मशीनरी के आयात की अनुमति दी जा सकती है बशर्त कि ऐसी मशीनरी देसी साधनों से उपलब्ध नहीं है। जैसा कि उक्त पैराग्राफ में उल्लिखित है, निर्यात सदनों को ऐसी मशीनरी के आयात के लिए सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी से उपर्युक्त पृष्ठांकन प्राप्त करने होंगे। आयातित मशीनरी निर्यात सदनों द्वारा केवल उन वास्तविक उपभोक्ताओं को बेची जाएगी जिनके पास उसके लिए लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए रिहाई आवेदनों हैं। क्रियाविधि को सरल बनाने के लिए इस सम्बन्ध में स्थिति की पुनरीक्षा की गई है। यह निश्चय किया गया है कि जो निर्यात सदन इन शर्तों के अधीन पोशाक बनाने वाली मशीनरी का आयात करते हैं वे उन वास्तविक उपभोक्ताओं को आयातित मशीनरी को बेचने के लिए प्राधिकृत होंगे जिनके पास यह दशति हुए एक बैच पंजीकरण प्रमाणपत्र हों कि वे पोशाक के विनिर्माता हैं और वे राज्य उद्योग (निदेशक/प्रायोजक प्राधिकारी के इस रूप में विधिवत् पंजीकृत हैं। इसलिए, निर्यात सदनों से ऐसी मशीनरी प्राप्त करने के इच्छुक वास्तविक उपभोक्ताओं को रिहाई आवेदन के लिए लाइसेंस प्राधिकारी से सम्पर्क करने की आवश्यकता नहीं होगी। वे सीधे ही निर्यात सदनों से सम्पर्क कर सकते हैं। पोशाक बनाने वाले एकक के रूप में सम्बद्ध प्राधिकारियों के साथ अपने पंजीकरण का व्यौरा देते हुए और उक्त पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है या वापस नहीं लिया गया है या अन्य प्रकार से अप्रभावी नहीं किया गया है यह शपथ लेते हुए वास्तविक उपभोक्ताओं को उस नियमित सदन को एक लिखित घोषणापत्र देना होगा जिससे पोशाक बनाने वाली मशीनरी खरीदने का प्रस्ताव किया गया है। निर्यात सदनों को वास्तविक

उपयोक्ताओं को बेची गई ऐसी मशीनरी की सूचना उसी प्रकार से लाइसेंस प्राधिकारी और मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात को देनी होगी जिस प्रकार वे आयातित कच्चे माल और संघटकों की सूचना तिमाही आधार पर, निर्धारित प्रश्न प्रपत्र में, 1976-77 के लिए रैंड बुक (वा० 2) के खण्ड 1 भाग 'ख' में पैरा 22 के साथ पढ़े जाने वाले भाग 'ब' में पैरा 44 के अनुसार देते हैं।

6. इस सार्वजनिक सूचना की शर्तों के अधीन वास्तविक उपयोक्ताओं को पोशाक बनाने वाली मशीनरी का आयात करने या निर्यात सदनों से ऐसी मशीनरी प्राप्त करने की अनुमति में अन्य विनियमों की वे सभी शर्तें शामिल नहीं हैं जो अधिकृत क्षमता के सर्जन या वृद्धि को प्रभावित करने के लिए लागू की जा सकती हैं।

पी० के० कौल,

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात।